

प्रेषक,

विनीता कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण, उत्तरांचल,
इल्हानी, जनपद-नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-01.

देहरादून, 29 नवम्बर 2006

विषय : अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए संचालित राजकीय आश्रम पद्धति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेतालघाट, जनपद-नैनीताल, उत्तरांचल के भवन निर्माण हेतु धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्रांक-2811/स.क./निर्माण/2006-07, दिनांक 20 नवम्बर 2006 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या-1532/XVII(1)-01/2006-11(08)/2006, दिनांक 16 नवम्बर 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए संचालित राजकीय आश्रम पद्धति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेतालघाट, जनपद-नैनीताल, उत्तरांचल के भवन निर्माण हेतु बालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में रुपये 99,99,000/- (रुपये नब्बानवे लाख नब्बानवे हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर रहे हैं-

1. उक्त धनराशि कार्यदायी संस्था को उपलब्ध कराने से पूर्व निर्माण इकाई से विस्तृत मानचित्र आगणन में संलग्न भाप के ब्यौरे के अनुसार मानचित्र गठित कर शासन को अनुमोदन हेतु उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
2. उक्त निर्माण कार्य हेतु उपलब्ध भूमि भी विभाग के नाम हस्तांतरित होने सम्बन्धी अभिलेख भी शासन को प्रमाणित कर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
3. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें "शिड्यूल ऑफ रेट" में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
4. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाए।

5. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितने कि स्वीकृत मानक है, स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
6. एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाए।
7. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग और "MORTH" द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
8. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाए।
9. आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि आंकलित/स्वीकृत की गई है, व्यय उन्हीं मदों पर किया जाए। एक मद की धनराशि दूसरी मदों में कदापि व्यय न की जाए।
10. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में परीक्षण करा लिया जाए तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
11. जी.पी.डब्ल्यू फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर आगणन की कुल लागत का 10 प्रतिशत की दर से निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जाएगा।
12. उक्त कार्य इसी धनराशि से पूर्ण किए जाएंगे। विलम्ब के कारण यदि आगणन का पुनरीक्षण किया जाता है तो उसे अपने निजी स्रोतों से वहन करेंगे।
13. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।
14. स्वीकृत धनराशि का व्यय बजट मैन्युअल एवं वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अन्तर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
15. कार्य कराने समय निविदा विषयक नियमों एवं मानकों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाए।
16. कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाए तथा कार्य की गुणवत्ता एवं सम्यग्गता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।
17. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय अनुमोदित परिव्याय की सीमा तक ही किया जाए।
18. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

19. इस सम्बन्ध में होने वाला जय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय की "अनुदान संख्या-30" के "आयोजनागत पक्ष" के लेखाशीर्षक "4225-अनुसूचित जातियों/जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण पर पूँजीगत परिव्यय-01-अनुसूचित जातियों का कल्याण-277-शिक्षा-91-जिला योजना-02-विभिन्न जनपदों में अनुसूचित जाति से सम्बन्धित आश्रम पद्धति विद्यालयों का निर्माण (चालू कार्य)" के मानक मद "24-वृहत् निर्माण कार्य" के नामे डाला जाएगा।
20. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-1325/XXVII-3/2006, दिनांक 28 नवम्बर 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनीता कुमार)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठानक संख्या /S52(i)/XVII(1)-01/2006-11(08)/2006, तदुदिनांक :

- प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित-
1. निजी सचिव-माननीय मुख्यमंत्री, उत्तरांचल।
 2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
 3. निजी सचिव-अपर मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
 4. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
 5. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ, उत्तरांचल।
 6. जिलाधिकारी, नैनीताल, उत्तरांचल।
 7. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तरांचल, देहरादून।
 8. कोषागारिगारी, इलाम्ही, जनपद-नैनीताल, उत्तरांचल।
 9. जिला समाज कल्याण अधिकारी, नैनीताल, उत्तरांचल।
 10. अधिसारी अभियन्ता, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, इकाई-अन्वोटा, उत्तरांचल।
 11. वित्त (जय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तरांचल शासन।
 12. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं सहायन निदेशालय, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।
 13. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।
 14. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।
 15. आदेश पत्रिका।

अज्ञा. रो.

(सुबर्दन)

अपर सचिव।